हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 283 : जौनपुर, शनिवार 15 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

मिशन चन्द्रयान–3 का किया प्रक्षेपण

एजेन्सी

चेन्नई। भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान–3 का शुक्रवार अपराह्न दो बजकर 35 मिनट पर आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र श्रीहरिकोटा के शार रेंज से प्रक्षेपण किया गया। इसरो अध्यक्ष ने प्रक्षेपण को सफल बताते हुए इसरो परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। करीब 3900 किलोग्राम के इस चन्द्रयान–3 के प्रक्षेपण के अवसर पर इसरो के वैज्ञानिकों के आलावा केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डाध जितेन्द्र सिंह उपस्थित थे। मिशन तैयारी समीक्षा के बाद, प्रक्षेपण प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी जिसके बाद सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (एसडीएससी केंद्र) में प्रतिष्ठित मिशन की उलटी गिनती गुरुवार को भारतीय

समयानुसार दोपहर दो बजकर 35 मिनट 17 सेंकेड पर शुरू हुई। इसरो के अनुसार 170 गुना 36500 किलोमीटर आकार की एलिप्टिक पार्किंग कक्षा में एकीकृत चंद्रयान–3 अंतरिक्ष यान मॉड्यूल को प्रक्षेपित करने के लिए संगठन के सबसे भारी रॉकेट लॉन्च वाहन मार्क –3 (एलवीएम 3–एम 4) का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस 642 टन भार के साथ 43.5 मीटर लंबा प्रक्षेपण वाहन ने पूर्ण संतुलन के साथ आज दोपहर 2.35 बजे दूसरे लॉन्च पैड से धुएं और लपट छोड़ते हुए उड़ान भरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह ट्विटर पर कई ट्वीट के माध्यम से जारी संदेश में कहा कि जहां तक भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का सवाल है, 14 जुलाई 2023 हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। चंद्रयान–3, हमारा तीसरा चंद्र मिशन, अपनी यात्रा शुरू करेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे देश की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

श्री मोदी ने चंद्रयान–3 मिशन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा, "मैं आप सभी से इस मिशन और अंतरिक्ष, विज्ञान और नवाचार में हमने जो प्रगति की है, उसके बारे में और अधिक जानने का आग्रह करता हूं। इससे आप सभी को बहुत गर्व महसूस होगा।" इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ के कल बताया था कि चंद्रमा पर सूर्योदय होने पर तिथि (उतरने की तिथि) तय की जाती है। जब हम उतर रहे हों तो सूर्य की रोशनी अवश्य होनी चाहिए। इसलिए लैंडिंग 23 या 24 अगस्त को होगी। उन्होंने कहा था कि यदि 23 या 24 अगस्त को योजना के अनुसार चन्द्रयान की लैंडिंग नहीं होती है, तो इसरो सितंबर में लैंडिंग का प्रयास करने के लिए एक और महीने तक इंतजार करेगा। "लैंडर और रोवर सूर्य की रोशनी आने तक 14 दिनों तक चंद्रमा पर रहेंगे। जब सूर्य का प्रकाश नहीं होगा, तो रोवर पर लगा एक छोटा सौर पैनल बिजली उत्पन्न करेगा रोशनी आने तक अगले 14 दिनों के लिए बैटरी को चार्ज करें।

सीएम योगी ने किया आम महोत्सव का उद्घाटन

यूरोप का बाजार कर रहा यूपी के आम का इंतजार : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। आम महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी का आम आज विश्व भर में पसंद किया जा रहा है।मास्को दुबई और बहरीन इसका उदाहरण है। यूरोप का बाजार आपका इंतजार कर रहा है। सीएम ने कहा कि डिमांड के हिसाब से ही प्रोडक्ट तैयार करें। सीएम अवध शिल्प ग्राम में आयोजित आम महोत्सव में संबोधन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 1000 वैरायटी के आम उत्पादित होते हैं। उत्तर प्रदेश की जनता ही नहीं बल्कि पूरे देश के साथ विश्व भर के देशों में मांग पूरी करने में सफल हो सकता है। प्रयास शुरू किए गए हैं, असर आने शुरू हो गए हैं।सीएम योगी ने संबोधन में कहा कि बीज से बाजार की दूरी कम करने के लिए सरकार सहयोग देने को तैयार है। चार स्थानों पर पैकहाउस बनाए गए हैं। निर्यात में सुविधा देने से कई देशों में नए बाजार बने हैं। मास्को में उत्तर प्रदेश का आम हाथों–हाथ लिया गया।सीएम ने महोत्सव के दौरान 12 टन आम बहरीन, एक टन दुबई तथा दो टन मास्को के लिए रवाना किया। प्रदेश में आम का उत्पादन बढ़ाने, आम उत्पादकों को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में तीन दिवसीय आम महोत्सव–2023 का आयोजन किया गया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का ईडी, सीबीआई को नोटिस

एजेन्सी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय न्यायालय ने शराब नीति में अनियमितता के आरोप में तिहाड़ जेल

में करीब छह माह से न्यायिक हिरासत में बंद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री की अंतरिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर उन्हें अगली सुनवाई 28 जुलाई तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों को नोटिस जारी कर जवाब–तलब किया था। न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ शुरूआत में इस मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को रखना चाहती थी, लेकिन सिसोदिया का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिकाकर्ता की पत्नी की बीमारी का हवाला देते हुए इस मामले को शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई। इसके बाद पीठ ने अगली सुनवाई की तारीख 28 जुलाई मुकर्रर की। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सिसोदिया को सीबीआई ने भ्रष्टाचार निरोधक रोकथाम अधिनियम के तहत 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने लंबी पूछताछ के बाद धन शोधन के आरोप में उन पर प्राथमिकी दर्ज किया था। श्री सिसोदिया ने दोनों मामले में अलग–अलग तारीखों पर निचली अदालत से जमानत याचिका खारिज होने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जहां उन्हें निराशा हाथ लगी थी। श्री सिसोदिया ने अंतरिम जमानत नहीं देने के उच्च न्यायालय के फैसले को विशेष अनुमति याचिका दायर कर शीर्ष अदालत में चुनौती दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सिसोदिया की याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार 10 जुलाई को स्वीकार करते हुए इसे संबंधित मामले को 14 जुलाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने विशेष उल्लेख के दौरान सिसोदिया की पत्नी के अस्वस्थ होने का जिक्र करते हुए उनकी याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई, जिसे स्वीकार कर लिया गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज प्राथमिकियों के मामले में उच्च न्यायालय से अपनी जमानत याचिका खारिज होने के बाद छह जुलाई को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

हो सकता है कि भविष्य में हम चांद पर रहने लगें, चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग से पहले बोले पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान–3 के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मिशन भारत की आशाओं एवं सपनों को आगे बढ़ाएगा। पीएम मोदी ने सिलसिलेवार कई ट्वीट किए और कहा कि जहां तक भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का सवाल है, 14 जुलाई 2023 हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। चंद्रयान–3, हमारा तीसरा चंद्र मिशन, अपनी यात्रा शुरू करेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे देश की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा उत्थान प्रक्रिया के बाद चंद्रयान–3 को चंद्र स्थानांतरण प्रक्षेप पथ में डाला जाएगा। 300,000 किमी से अधिक की दूरी तय करते हुए, यह आने वाले हफ्तों में चंद्रमा पर पहुंचेगा। जहाज पर मौजूद वैज्ञानिक उपकरण चंद्रमा की सतह का अध्ययन करेंगे

और हमारे ज्ञान को बढ़ाएंगे। पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, ''हमारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद, अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का इतिहास बहुत समृद्ध है। चंद्रयान–1 को वैश्विक चंद्र मिशनों में एक पथप्रदर्शक माना जाता है क्योंकि इसने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की मौजूदगी की पुष्टि की है। यह दुनिया भर के 200 से अधिक वैज्ञानिक प्रकाशनों में प्रकाशित हुआ था। उन्होंने कहा कि चंद्रयान–1 तक, चंद्रमा को एक हड्डी–सूखा, भूवैज्ञानिक रूप से निष्क्रिय और निर्जन खगोलीय पिंड माना जाता था। अब, इसे पानी और उप–सतह बर्फ की उपस्थिति के साथ एक गतिशील और भूवैज्ञानिक रूप से सक्रिय निकाय के रूप में देखा जाता है। हो सकता है कि भविष्य में इस पर संभावित रूप से निवास किया जा सके। उन्होंने कहा कि चंद्रयान–2 भी उतना ही अग्रणी था क्योंकि इससे जुड़े ऑर्बिटर के डेटा ने पहली बार रिमोट सेंसिंग के माध्यम से क्रोमियम, मैंगनीज और सोडियम की उपस्थिति का पता लगाया था। इससे चंद्रमा के जादुई विकास के बारे में अधिक जानकारी भी मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान 2 के प्रमुख वैज्ञानिक परिणामों में चंद्र सोडियम के लिए पहला वैश्विक मानचित्र, क्रेटर आकार वितरण पर ज्ञान बढ़ाना, आईआईआरएस उपकरण के साथ चंद्र सतह के पानी की बर्फ का स्पष्ट पता लगाना और बहुत कुछ शामिल है।

यह मिशन लगभग 50 प्रकाशनों में प्रकाशित हुआ है। पीएम मोदी ने चंद्रयान–3 मिशन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''मैं आप सभी से इस मिशन और अंतरिक्ष, विज्ञान और नवाचार में हमने जो प्रगति की है, उसके बारे में और अधिक जानने का आग्रह करता हूं। इससे आप सभी को बहुत गर्व महसूस होगा।

हिमाचल प्रदेश में भयानक सड़क हादसा, 6 लोगों की मौत

एजेन्सी

मंडी। हिमाचल प्रदेश में दो अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात मंडी जिले के सुंदरनगर–करसोग मार्ग पर खुशाला के पास एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। वाहन में सवार लोग कमरूनाग मंदिर के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा।

चालक भी घायल हुआ है लेकिन वह मौके से फरार हो गया। मृतकों की पहचान सुंदरनगर निवासी लाला राम (50), रूप लाल (55), सुनील कुमार (35), गोबिंद राम (60) और मोहना (55) के रूप में हुई है।

यमुना में आई भयावह बाढ़ के चलते दिल्ली के कई रास्ते बंद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को यमुना नदी के घटते जल स्तर के बीच, राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्से अभी भी जलभराव और बाढ़ का सामना कर रहे हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। यात्रियों को आईटीओ रोड पर पानी के बीच अपनी मोटरसाइकिलें धकेलते देखा गया, जबकि दिल्ली में सराय काले खां टी–जंक्शन के पास एनएच–24 पर भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। हालांकि, ओल्ड रेलवे ब्रिज (ओआरबी) पर यमुना नदी का जल स्तर सुबह 9 बजे दर्ज किए गए स्तर से थोड़ा कम दर्ज किया गया। जहां सुबह 9 बजे यह 208.40 मीटर था, वहीं आज सुबह 10 बजे यह 208.38 मीटर दर्ज किया गया। शहर में बाढ़ की स्थिति पर बात करते हुए स्पेशल सीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह यादव ने कहा, दिल्ली के सभी इलाकों में 4,500 पुलिस की तैनाती की गई है।

कावड़ियों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। इलाकों में जलस्तर में कमी हो रही है। जैसा कि कश्मीरी गेट में देखा गया है। लेकिन वजीराबाद की ओर रिंग रोड क्षेत्र में अभी भी बाढ़ आई है। हम शाम तक भैरों मार्ग को खोलने की कोशिश कर रहे हैं। एनएच 44 पर यातायात देखा जा सकता है।

पुलिस ने यह भी बताया कि जलभराव और बाढ़ के कारण शहर के विभिन्न इलाकों में ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है. दिल्ली यातायात पुलिस ने एक ट्वीट में साझा किया, शांति वन से गीता कॉलोनी फ्लाईओवर की ओर और गीता कॉलोनी फ्लाईओवर से राजघाट और आईएसबीटी, कश्मीरी गेट की ओर यातायात की आवाजाही प्रतिबंधित है।

इसके अलावा, पुलिस ने कहा कि प्रगति मैदान सुरंग अब वाहनों के आवागमन के लिए खुली है, जबकि रेलवे अंडर ब्रिज के पास नाले का पानी बहने के कारण भैरों रोड पर यातायात बंद है। "बाढ़ का पानी बहने के कारण विकास मार्ग पर आईटीओ की ओर यातायात प्रभावित है। पुलिस ने ट्वीट में कहा, यात्रियों को इस रास्ते से बचने और अक्षरधाम–निजामुद्दीन–आईटीओ के रास्ते एनएच 24 का रास्ता अपनाने की सलाह दी जाती है।इस बीच, यात्रियों ने प्रशासन से स्थिति से जल्द निपटने और यातायात समस्याओं को कम करने का आग्रह किया। दिल्ली के आईटीओ क्षेत्र में एक यात्री ने कहा, मैंने यह परिदृश्य पहले कभी नहीं देखा। हम चाहते हैं कि इस समस्या से जल्द से जल्द निपटा जाए।

क्षेत्र के एक अन्य यात्री ने कहा कि कई लोगों को कार्यालय जाते समय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। "मैंने इस स्तर का जल जमाव कभी नहीं देखा है।

सहारनपुर में बड़ा सड़क हादसा, 12 कांवड़िये घायल

एजेन्सी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के तीतरो थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में करीब 12 कांवड़िये घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने पीटीआई–भाषा को बताया, ''सहारनपुर जिले के तितरो क्षेत्र के ग्राम डूभर किशनपुरा से आज एक दर्जन से अधिक कावड़िये कावड़ लेकर पिकअप वाहन पर सवार होकर हरिद्वार के लिए निकले थे। ग्राम चांदपुर के पास एक बाइक को बचाने के प्रयास में पिकअप चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया जिससे पिकअप के ऊपर बैठे करीब 12 कावड़िये सड़क पर जा गिरे और घायल हो गये।

दिल्ली के उपराज्यपाल, आप मंत्री के बीच बाढ़ को लेकर जुबानी जंग

एजेन्सी

नयी दिल्ली। यमुना पर एक ड्रेन रेगुलेटर फेल होने के बाद मध्य दिल्ली के व्यस्ततम ट्रैफिक इलाकों में से एक आईटीओ पर यमुना का पानी घुस आया। इसे लेकर शुक्रवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के मंत्री सौरभ भारद्वाज के बीच मीडिया के सामने ही आरोप–प्रत्यारोप का खेल शुरू हो गया। इससे पहले दिन में सक्सेना ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके मंत्रियों आतिशी और भारद्वाज के साथ आईटीओ स्थित विकास भवन में उस स्थान का दौरा किया, जहां गुरुवार रात एक ड्रेन रेगुलेटर क्षतिग्रस्त हो गया था। मीडिया से बात करते हुए, एलजी ने कहा, गेट नंबर 12 टूट जाने के कारण यमुना का पानी आईटीओ की ओर जा रहा है। सेना और एनडीआरएफ, सिंचाई विभाग, बाढ़ विभाग और अन्य सभी विभागों की टीमें काम कर रही हैं। जिस तरह से काम चल रहा है, मुझे उम्मीद है कि अगले 4 से 5 घंटों में कुछ नतीजा मिल सकता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि एक टीम वेल्डिंग का काम कर रही है और ड्रेन रेगुलेटर की मरम्मत का काम तीन–चार मोर्चों पर किया जा रहा है। उन्ध्होंने कहा, पानी को रोकने के लिए रेत की बोरियां रखी जा रही हैं। इसके लिए प्लेटें भी आ रही हैं और उन्हें फिट किया जाएगा। तटबंध को मजबूत करने के लिए पत्थर भी लाए जा रहे हैं। सेना अपना काम कर रही है और हमें उम्मीद है कि जिस तरह से काम चल रहा है हम सफल होंगे। यमुना के तेज प्रवाह को देखते हुए इसे रोकने की जरूरत है ताकि बाढ़ का पानी शहर में न घुसे। इसके लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। जब उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुवार रात फ्रांस से दिल्ली में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ष्उन्होंने दिल्ली की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उनकी चिंता यह थी कि दिल्ली के लोगों को बाढ़ के कारण कठिनाई न हो। रात से हम सभी के साथ संपर्क में हैं। सोनिया विहार क्षेत्र में भी दरार की सूचना मिली थी और उससे निपट लिया गया है।

शेरनी सोना ही अपने दो शावकों को मार डाला, सफारी प्रशासन

एजेन्सी

इटावा। इटावा सफारी पार्क में शेरनी सोना अपने ही 2 शावकों को मारकर खा गयी है। सफारी प्रशासन ने इसकी पुष्टि कर दी है। शेरनी सोना ने 6 जुलाई से 10 जुलाई के बीच 5 शावकों को जन्म दिया, लेकिन बताया गया है कि दो शावकों पर शेरनी ने ही हमला बोल दिया। शेरनी ने दोनों शावकों को बुरी तरह से काट खाया जिससे उनकी मौत हो गई। सफारी के बायोलॉजिस्ट बी एन सिंह का कहना है कि इटावा में पोस्टमाटर्म नियमों के अनुरूप किया गया है। वन्यजीव विशेषज्ञ ऐसा बताते है कि जब कभी कोई शेरनी अपने बच्चों को अपनाती नहीं है तो उसको इसी तरह से नुकसान पहुंचा करके मौत के घाट उतार देती है। लायन सफारी में 6 जुलाई को सोना नामक शेरनी में पहली दफा एक शावक को जन्म दिया और उसके बाद एक एक करके 5 शावकों को 100 घंटे में जन्म दिया है, लेकिन एक के बाद एक करके 4 शावकों की मौत हो गई है।

ड्रोन से की जा रही है बाढ़ में फंसे लोगों की खोज, सैकड़ों को सुरक्षित निकाला गया

एजेन्सी

नोएडा। नोएडा में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने के चलते डूब क्षेत्र में फार्महाउस नर्सरी में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारी उसी में फंस गए थे। दो दिनों से चल रहे एनडीआरएफ, फायर विभाग और पुलिस के रेस्क्यू ऑपरेशन के चलते अब तक सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पुलिस द्वारा टोल कैमरे से भी सर्वे करवाया जा रहा है। यह देखा जा रहा है कि कहीं कोई बचा तो नहीं है, जो मदद की गुहार लगा रहा हो और उसकी आवाज ना पहुंच पा रही हो।

गौतमबुद्धनगर में लगातार पुलिस बल व एनडीआरएफध्फायर सर्विस टीम के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सेक्टर–135 स्थित फार्म हाउस एरिया, गौशाला तथा आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे हुए व्यक्तियों व मवेशियों की सहायता करने के हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में आसपास के क्षेत्र का ड्रोन से निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि बाढ़ में फंसे व्यक्तियों एवं मवेशियों को देखकर रेस्क्यू किया जा सके। अब तक हजार से ज्यादा मवेशी रेस्क्यू कराए गए हैं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। कई ऐसी गौशालाएं थी, जहां पानी भरने से वहां पर रह रही गायों को सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

प्रेमी युगल ने मौत को लगाया गले, पेड़ से लटके मिले शव

एजेन्सी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के साधारण पुर गांव में शुक्रवार को एक प्रेमी जोड़े के शव पेड़ से लटके मिले। घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आशुतोष मिश्रा और प्रभारी निरीक्षक सुरेश पांडे घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना करते हुए दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया साधारण पुर की रहने वाली 18 वर्षीय युवती शालिनी का गांव के ही स्वजातीय और विवाहित 22 वर्षीय युवक मंगल के साथ पिछले कई महीनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

सम्पादकीय

मोदी की फ्रांस यात्रा

इसी वर्ष भारत और फ्रांस के बीच राजनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फ्रांस दौरा काफी अहम है। पिछले 25 वर्षों में दोनों देशों के बीच कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं लेकिन इस बार होने वाले समझौतों से दोस्ती का नया दौर शुरू होगा। प्रधानमंत्री मोदी का फ्रांस दौरा रक्षा और प्रौद्योगिकी पर फोकस है। फ्रांस एक ऐसा देश है जो हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। भारतीय सेना को मजबूत करने की बात हो या फिर परमाणु परीक्षण का दौर, वह भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है। वर्ष 1998 में जब भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण से पूरी दुनिया को चौंका दिया था और उस पर प्रतिबंध लगा दिए थे तब फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति जैक शिराक ने भारत का साथ दिया और कहा था कि हमें एशिया की उभरती हुई महाशक्ति को नजरंदाज नहीं करना चाहिए। उनकी वजह से ही आज यह रणनीतिक साझेदारी इतनी मजबूत हुई है। भारत और फ्रांस दोनों ही स्वतंत्र विदेश नीति के प्रबल पक्षधर हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रीय दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है। बेस्टिले परेड के नाम से मशहूर इस समारोह में दोनों देशों की बढ़ती दोस्ती की झलक पूरी दुनिया देखेगी, जब परेड में फ्रांस की सेना के साथ भारतीय सेना के तीनों अंगों की एक टुकड़ी कदमताल करती नजर आएगी। अब सवाल यह है कि फ्रांस भारत को इतनी तवज्जो क्यों देता है? इसके पीछे कई कारण हैं। इनमें भारत की बड़ी होती अर्थव्यवस्था और बड़ा बाजार प्रमुख है। फ्रांस से हमें लड़ाकू घविमान से लेकर पनडुब्बी तक मिल रही है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में पिछले कुछ सालों में भारत ने दूरगामी प्रभाव वाले कदम उठाए हैं, जिसकी बदौलत हमारे रक्षा आयात में कुछ कमी जरूर आई है। इसके बावजूद भी ये सच्चाई है कि रक्षा जरूरतों को पूरा करने में बाहरी मुल्कों पर निर्भरता को पूरी तरह से खत्म करने में भारत को अभी लंबा सफर तय करना पड़ेगा। भारत के इस रक्षा बाजार पर अमेरिका के साथ ही फ्रांस की भी नजर है। रूस के साथ चीन की बढ़ती नजदीकियों को देखते हुए फ्रांस को ये एहसास है कि भारत इस दिशा में नए विकल्प पर जरूर सोच रहा होगा और नए विकल्प के तौर पर फ्रांस से बेहतर कोई और देश नहीं हो सकता है जो रक्षा सहयोग तो करता ही है साथ ही तकनीक में भी सहयोग कर रहा है। अब अगर भारत रूस से हथियारों की खरीद कम करता है तो अमेरिका और फ्रांस दोनों चाहेंगे कि वो इस जगह को भर पाए। भारत को नौसेना के लिए लड़ाकू विमानों की जरूरत है, जिसे वो स्वदेश में बने पहले विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात कर सके। भारत फ्रांस से 26 राफेल एम विमान और तीन स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुघब्बियां खरीद रहा है। प्रधानमंत्री के फ्रांस रवाना होने से पहले फ्रांस ने अमेरिका के साथ हुए जीई–414 इंजन सौदे से कई कदम आगे की पेशकश कर दी है। फ्रांस भारत के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन संयुक्त रूप से बनाने को तैयार हो चुका है। यह अपने आप में बहुत बड़ी पेशकश है। हम जानते हैं कि प्रोजेक्ट 75 के तहत छह स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों को भारत में ही बनाए जाने में फ्रांस का सहयोग मिला है। ये पनडुब्बी हैं आईएनएस कलवरी, आईएनएस खंडेरी, आईएनएस करंज, आईएनएस वेला, आईएनएस वगीर और आईएनएस वागशीर। इनमें से पहले 5 पनडुब्बियों को नौसेना में शामिल किया जा चुका है और आखिरी पनडुब्बी वागशीर के भी 2024 की शुरुआत में नौसेना के बेड़े में शामिल होने की संभावना है। फ्रांस न्यूक्लियर पावर के क्षेत्र में भी भारत के साथ साझेदारी बढ़ाना चाहता है। भारत और फ्रांस के बीच परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के विकास पर 2008 में समझौता हुआ था। महाराष्ट्र के जैतापुर में 6 न्यूक्लियर पावर रिएक्टर बनाने की योजना में फ्रांस सहयोग करने का इच्छुक है। फ्रांस चाहेगा कि जैतापुर न्यूक्लियर पावर स्टेशन के लिए फ्रांसीसी ईपीआर न्यूक्लियर रिएक्टर भारत खरीदे। पीएम मोदी की यात्रा पर इस प्रोजेक्ट से संबंधित तकनीकी, वित्तीय और असैन्य परमाणु दायित्व के मुद्दों पर भी बातचीत होने की संभावना है। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रभावशाली सदस्य है और उसने अमेरिका की तरह भारत से कभी भी विशुद्ध सौदेबाजी नहीं की। दोनों देशों के भारत प्रशांत क्षेत्र में साझा हित, सौर ऊर्जा तकनीक के प्रसार और चीन की आक्रामकता को रोकने के लिए दोनों देश बहुत करीब आए। यद्यपि यूरोप में फ्रांस भारत का छोटा व्यापारिक साझेदार है और भविष्य में व्यापार बढ़ने की सम्भावनाएं बहुत हैं, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस दौरे पर दुनिया की नजरें लगी हुई हैं।

आज का राशिफल

मेष :– बुद्धिमत्ता द्वारा प्रत्येक दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं।

बृषभ :– अपनी भावुकता पर नियंतण्ररखें। हर रिश्ते में अपने अनुकूल अपेक्षा रखना आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है।

मिथुन :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार बनेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कर्क :– भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी किंतु पारिवारिक चिंताओं से मन ग्रसित होगा। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा सगे–संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बने। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। आलस्य त्यागें।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बने। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही और स्वच्छ योजनाओं की ओर केंद्रित हों। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। बाहर की दुनिया में समय देने से अच्छा है कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्ठा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मकर :– भावनाओं पर नियंतण्ररख दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने में सक्षम होंगे। धनागम के ने स्रेत बनेंगे। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। कोई नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे।

यूरोपीय संघ की संसद में मणिपुर

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका के राजकीय अतिथि बनने के बाद अब फ्रांस में राष्ट्रीय दिवस यानी बैस्टिल दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बन रहे हैं। विदेशों में मिल रहा यह सम्मान भारत के लिए गर्व की बात है। भाजपा इसे विश्वगुरु बनने की ओर एक और कदम घोषित कर सकती है। लेकिन इन सम्मानीय घटनाओं के साथ–साथ जो और हलचलें वैश्विक परिदृश्य में भारत को लेकर चल रही हैं, उन्हें नजरंदाज नहीं किया जा सकता। जब प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर गए थे, तो वहां पहले ही भारत में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर सवाल उठने शुरु हो गए थे। कम से कम 75 सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को पत्र लिखकर उन्हें राजकीय भोज पर आमंत्रित न करने की अपील की थी। श्री मोदी के अमेरिकी संसद में भाषण का भी कई सांसदों ने बहिष्कार किया था, इसके अलावा न्यूयार्क की सड़कों पर ट्रकों में भारत की उन घटनाओं की ओर ध्यान दिलाया गया था, जिनमें किसी न किसी तरह लोकतंत्र या मानवाधिकारों का हनन हो रहा है और सरकार इन पर कुछ नहीं कर रही है। अमेरिका से पहले श्री मोदी आस्ट्रेलिया गए थे, तो वहां बीबीसी की द मोदी क्वेश्चन नाम की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, जिस पर भारत में प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब श्री मोदी फ्रांस गए हैं, तब यूरोपीय संघ की संसद में मणिपुर

पर सवाल उठ रहे हैं।

यूरोपीय संसद में बुधवार को होने वाली बहस का एजेंडा मणिपुर की हिंसा की निंदा और यूरोपियन यूनियन को भारत सरकार से बातचीत करने का निर्देश देना था। लेकिन भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। भारत ने इसे अपना आतंरिक मामला कहा है। जबकि यूरोपीय संसद चाहती है कि यूरोपियन यूनियन के आला अधिकारी भारत सरकार से बात कर इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कहें। इससे पहले भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी ने मणिपुर में स्थिति से निपटने के लिए अमेरिकी मदद की पेशकश करते हुए कहा था कि यह एक श्रणनीतिकश नहीं , बल्कि एक श्मानवीयश मुद्दा है। अमेरिका या यूरोपीय संघ को वाकई कोई हक नहीं है कि वे किसी और के आंतरिक मामलों में दखल दें। लेकिन फिर आप वसुधैव कुटुम्बकम को अपनी सुविधा से इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। हर देश की संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही लोकतांत्रिक शासकों को ऐसी व्यवस्था भी बनानी चाहिए कि देश के साथ–साथ नागरिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का भी सम्मान हो। श्री मोदी ने फ्रांस के एक अग्रणी मीडिया घराने लेस इकोस को एक साक्षात्कार दिया और कहा कि ग्लोबल साउथ के अधिकारों को दुनियाभर में लंबे समय से नकारा गया है। मैं भारत को श्ग्लोबल साउथश के लिए एक मजबूत कंधे के तौर पर देखता हूं। उन्होंने भारत–अमेरिका के रिश्तों, फ्रांस से भारत के संबंधों पर भी सवालों के जवाब दिए। जो काम श्री मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकते हैं, वही काम घरेलू स्तर पर करने में परहेज क्यों है। क्यों नहीं देश के पत्रकारों को वो पत्रवार्ता के लिए आमंत्रित करते और खुलकर उनके सवालों के जवाब देते। इसमें मणिपुर या महिला पहलवानों पर सवाल होते, तो उनके भी जवाब श्री मोदी देते। कम से कम देश और दुनिया को ये पता तो चलता कि भारत की सरकार इस मसले पर क्या सोच रही है। अभी 20 तारीख से मानसून सत्र शुरु हो रहा है। तय है कि इसमें भी विपक्ष की ओर से मणिपुर पर सवाल किए जाएंगे। इन सवालों से बचने के लिए भाजपा पहले से कोई तैयारी कर लेगी और किसी न किसी बहाने सत्र के दिन हंगामे की भेंट चढ़ते रहेंगे, इसका अनुमान लगाना कठिन नहीं है। भारतीय संसद में विपक्ष को सवाल उठाने का मौका नहीं दिया जाएगा और यूरोपीय संघ की संसद में इसे भारत का आंतरिक मसला बता कर बात करने पर आपत्ति जतलाई जा रही है। सवाल ये है कि क्या जम्मू–कश्मीर भारत का आंतरिक मसला नहीं था। वहां क्यों यूरोपीय संघ के लोगों को अनुच्छेद 370 हटने के बाद सैर कराई गई थी। खबर है कि यूरोपीय सांसदों से संपर्क करने के लिए भारत सरकार ने ब्रसेल्स में एक कंपनी श्अल्बेर एंड जिजरश की सेवाएं ली हैं, ताकि इस मुद्दे पर बात हो सके। लेकिन भारत सरकार ने इस खबर की पुष्टि नहीं की है। वैसे यूरोपीय संसद में पेश किए प्रस्तावों में कुछ ऐसी बातें कही गई हैं जो भाजपा को खटक सकती हैं। जैसे इनमें भाजपा पर नफरती भाषण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। कहा गया है कि भाजपा की नेतृत्व वाली सरकार विभाजनकारी जातीय नीतियों को लागू कर रही है। कुछ दलों ने अफस्पा, यूएपीए और एफसीआरए नियमों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। मणिपुर में संघर्ष के दौरान चर्चों पर हमले और हिंसा पर चिंता जताई गई है। प्रस्तावों में मणिपुर में इंटरनेट प्रतिबंध पर रोक लगाने की मांग की गई है। यूरोपीय संसद से कहा गया है कि वो मणिपुर में मानवाधिकार उल्लंघन के मामले में भारत सरकार से बात करे। वामपक्ष के एक प्रस्ताव में मणिपुर की स्थिति की तुलना जम्मू–कश्मीर से करने की कोशिश की गई है। बाहर के लोग इस तरह हमारे देश के बारे में बात करें, तो दुख और पीड़ा होती है। लेकिन सच ये भी है कि ऐसे तमाम मुद्दे हमने ही उन्हें थाली में परोस कर दिए हैं। भारत के बारे में पिछले 50–60 बरसों में यहां की विविधता, मजबूत लोकतंत्र, अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा, उद्योग व्यापार, संचार जैसे क्षेत्रों में हमारी प्रगति आदि को लेकर दुनिया में बातें होती थीं।

भारत को संभावनाओं से भरा देश माना जाता था। पाकिस्तान या चीन जैसे देशों से होने वाली घुसपैठ या आतंकवाद के मसले पर वैश्विक सहानुभूति हमें हासिल होती थी। लेकिन अब हम पर अपने ही नागरिकों के अधिकारों के हनन को लेकर सवाल उठने लगे हैं, तो इसके लिए किसी साजिश का एंगल तलाशने की जगह आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। यूरोपीय संघ की संसद या अमेरिका को नसीहत देने की जगह अगर प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर पर अपनी चुप्पी तोड़ दें तो दुनिया को जवाब वैसे ही मिल जाएगा।

कानून के शिकंजे मे बृजभूषण

आदित्य नारायण

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के मामले में दिल्ली पुलिस ने सिद्ध कर दिया है कि वह केवल संविधान और कानून के संरक्षण के प्रति ही जवाबदेह है और किसी भी व्यक्ति के प्रभावशाली या ऊंचे पद पर आसीन होने का उस पर कानून की अनुपालना के सम्बन्ध में कोई असर नहीं पड़ता है। समाचार पत्रों में भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट का जो ब्यौरा छपा है वह समूचे राजनैतिक जगत की आंखें खोलने वाला है और साबित करता है कि पुलिस का मूल कार्य कानून–व्यवस्था का राज कायम करने का ही होता है। भारत की प्रशासकीय व्यवस्था में पुलिस की जिम्मेदारी बहुत अहम इस तरह नियत की गई कि वह बिना किसी भेदभाव के नागरिकों को कानून का पालन करने के लिए प्रेरित करे और जो इसे तोड़ने का काम करते हैं उन्हें कानून के समक्ष पेश करके अदालतों से सजा दिलवाये। बृजभूषण शरण सिंह के मामले में दिल्ली पुलिस अपनी इस भूमिका को निभाने में खरी उतर रही है। विगत 13 जून को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जो चार्जशीट दायर की गई है उसमें कुश्ती संघ के अध्यक्ष को महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न से लेकर शील भंग करने के प्रयास, गलत निगाहों से ताकने व काम संकेत देने के अपराधों के लिए भारतीय दंड संहिता में उल्लिखित कानूनों के तहत समुचित कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई है। इसके लिए ब्रजभूषण शरण सिंह को पांच वर्ष तक की कैद हो सकती है। अतः श्री सिंह को अपने दिमाग से यह गलतफहमी दूर कर लेनी चाहिए कि उनकी महाबली सांसद की छवि और उत्तर प्रदेश के गौंडा व अवध क्षेत्र में फैला कथित जनप्रभाव कानून के मार्ग में कोई बाधा खड़ी कर सकता है? सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा का सदस्य होना और इसका सांसद होना भी कानून की नजर में कोई मायने नहीं रखता है। पुलिस की चार्जशीट को यदि गौर से पढ़ा जाये तो वह अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता उन छह महिला पहलवानों द्वारा लगाये गये आरोपों की ही तस्दीक करती है जो उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ खेल मन्त्रालय द्वारा आरोपों की जांच करने के लिए गठित निगरानी जांच समिति के समक्ष लगाये थे। मगर इस समिति ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस को निर्देश दिया था कि वह महिला खिलाघडिघ्यों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करे। पुलिस ने इसका पालन करते हुए आरोपों की जांच शुरू की और पाया कि महिला पहलवानों द्वारा लगाये गये आरोपों की गवाही में पर्याप्त सबूत हैं, जिनके आधार पर उसने अदालत में चार्जशीट दायर कर दी। सवाल पुलिस की प्रशंसा या बृजभूषण शरण सिंह की निन्दा का नहीं है बल्कि असली सवाल कानून के राज और उसकी अनुपालना का है। भारत में पुलिस का हर अफसर अपना पद संभालने से पहले संविधान की ही शपथ लेता है और कानून का राज कायम करने के लिए स्वयं को समर्पित करता है। उसे इससे कोई मतलब नहीं होता कि किस राजनैतिक दल की किसी भी राज्य में सरकार है। वह केवल कानून की जुबान ही समझता है। इस मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमन्त्री स्व. चौधरी चरण सिंह और पूर्व प्रधानमन्त्री स्व. राजीव गांधी के दो उदाहरण ही काफी हैं। चौधरी साहब के सामने जब उनकी पार्टी भारतीय क्रान्ति दल के कुछ कारकुन अपने जिले के जिलाधीश (कलेक्टर) की शिकायत लेकर गये थे तो उन्होंने उन्हें डपट कर कहा था कि 'क्या तुम यह समझते हो कि अगर मैं मुख्यमन्त्री हूं तो कलेक्टर मेरा नौकर है। कान खोल कर सुन लो ये मेरा नौकर नहीं है बल्कि कानून का नौकर है। जो कानून कहेगा कलेक्टर वही करेगा।' इसी प्रकार जब राजीव गांधी खुद एक बार प्रधानमन्त्री निवास से हवाई अड्डे तक खुद कार चला कर जा रहे थे तो मार्ग में खड़े ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ने उन्हें कस कर डांटा था और चालान कर दिया था। हालांकि उसे पता नहीं चल पाया था कि कार में बैठा हुआ व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमन्त्री ही है और उसकी ड्यूटी प्रधानमन्त्री निवास से हवाई अड्डे तक प्रधानमन्त्री के काफिले के लिए बने 'रूट' पर ही लगी थी। ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ने काले शीशों वाली कार के अन्दर बैठे हुए व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर चालान काट दिया और जमकर डांटा भी। कार का शीशा खोलने पर जब उसने स्वयं राजीव गांधी को देखा तो वह जरा भी नहीं डगमगाया और उसने पूरी हिम्मत के साथ कहा कि सर आपने नियम तोड़ा है। बाद में स्व. राजीव गांधी ने उस ट्रैफिक पुलिस के सिपाही को अपना कर्त्तव्य निभाने के लिए ईनाम दिया। बृजभूषण शरण सिंह को भी यह बात समझ लेनी चाहिए कि उनके छह बार सांसद का चुनाव जीतने का कानून पर कोई असर नहीं पड़ता है और न ही इस बात का प्रभाव पड़ता है कि गौंडा व आसपास के इलाकों में वह 50 से अधिक शिक्षण संस्थान चलाते हैं। पुलिस की निगाह में अगर उन्होंने कानून को तोड़ा है तो पुलिस उन्हें अदालत से सजा दिलाने के लिए अपने कर्त्तव्य का पालन जरूर करेगी। अब यह भाजपा को देखना है कि वह बृजभूषण शरण सिंह का क्या करती है ?

जेल नहीं जुर्माना

अक्सर सवाल उठाया जाता है कि क्या स्वतंत्रता मिलने के बावजूद देश का कानून उतना संवेदनशील व व्यावहारिक है, जो किसी लोकतांत्रिक देश के लिये अपरिहार्य होना चाहिए। विभिन्न मामलों में कानून की परिभाषा के अंतर्गत तमाम ऐसे व्यवस्थागत अतिक्रमण हैं जिन्हें गंभीर जुर्म की श्रेणी में रखा गया है। जाने–अनजाने में हुए ऐसे जुर्मों को लेकर जेल की सजा और आर्थिक जुर्माना यानी दोनों लागू होने को लेकर भी सवाल उठाये जाते हैं। सवाल यह भी कि जब जेल हुई है तो आर्थिक दंड क्यों? वहीं दूसरी ओर देश में अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानून प्रचलित हैं जो स्वतंत्र देश की व्यवस्था में तार्किक नजर नहीं आते। राजग सरकार की उस मुहिम की सराहना करनी होगी कि जिसके अंतर्गत उसके नौ साल के कार्यकाल में 1500 ऐसे कानून निरस्त किये गये, जो अमृतकाल तक पहुंचे देश में न्याय की कसौटी में खरे नहीं उतरते थे। दरअसल, तमाम कानून ऐसे थे जो अंग्रेजी राज को स्वतंत्रता सेनानियों के विरोध से संरक्षित करते थे। वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाते थे। इसी दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ी पहल की है और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनविश्वास विधेयक पर मोहर लगा दी है। जिसके अंतर्गत 42 कानूनों में बदलाव किया जायेगा। इनके तहत आने वाले 183 प्रावधानों में बदलाव होगा। दरअसल, इस प्रयास का मकसद अदालतों में मुकदमों का बोझ कम करना, कारोबारी सुगमता बढ़ाना तथा छोटे अपराधों के मामलों में लोगों को जेल जाने से बचाना है। दरअसल, यह पहल छोटे अपराधों के मामले में कारावास की सजा को खत्म करने का प्रयास है। ऐसे मामलों में सिर्फ आर्थिक दंड ही लगाया जायेगा। गत बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनविश्वास(प्रावधान संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी। दरअसल, इस विधेयक को दिसंबर 2022 में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पेश किया था। इस बिल को तार्किक बनाने व इससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये कालांतर संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था। दरअसल, इस मुद्दे पर गंभीर मंथन के लिये 31 सदस्यीय समिति का गठन विशेष रूप से किया गया। जिसमें विधायी और विधि मामलों से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों से लंबा विमर्श किया गया। इतना नहीं, इस मुद्दे पर विभिन्न राज्यों से भी राय ली गई। तदुपरांत, इस वर्ष मार्च में समिति ने अपनी रिपोर्ट दी थी। समिति ने राज्यों को भी ऐसे प्रावधानों में संशोधन के लिये प्रेरित करने की सलाह दी थी। समिति का मानना था कि केंद्र राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों को प्रेरित करे कि वे जनविश्वास विधेयक की तर्ज पर छोटे जुर्मों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने को कानूनी उपाय करें। दरअसल, विधेयक के

प्रावधानों के अनुसार, आर्थिक दंड का निर्धारण गलती की गंभीरता के अनुसार होना चाहिए। गलती की पुनरावृत्ति पर जुर्माना राशि में वृद्धि की जाएगी। दरअसल, इस विधेयक में अंग्रेजी शासन के समय से चले आ रहे अनेक ऐसे कानूनों में कारावास की सजा समाप्त करने की सिफारिश है, जो मौजूदा दौर में तार्किक व न्याय की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। ब्रिटिश कालीन जिन कानूनों में संशोधन होना है उनमें भारतीय डाकघर अधिनियम 1898, कृषि उपज (ग्रेडिंग और मार्किंग) अधिनियम 1937,औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940, सार्वजनिक ऋण अधिनियम 1944 आदि शामिल हैं। दरअसल, विधेयक में अपराध की गंभीरता के आधार पर आर्थिक दंड को तर्कसंगत बनाने और भरोसे पर आधारित शासन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है। साथ ही इसमें विभिन्न अपराधों के लिये जुर्माने में समीक्षा का भी प्रावधान है, हर तीन साल में जुर्माने की राशि दस फीसदी बढ़ा दी जायेगी।

वहीं ब्रिटिश शासन को संरक्षण देने वाले भारतीय डाकघर अधिनियम 1898 के सभी अपराधों को खत्म कर दिया जायेगा। दरअसल, कोशिश यही है कि छोटे अपराध के लिये बड़ी सजा न मिले और आर्थिक दंड को सुधारात्मक दृष्टि से उपयोग में लाया जाये।

सरकार का कहना है कि यह प्रयास कारोबार को सुगम बनाने और नागरिकों के दैनिक कामकाज को आसान बनाने में सहायक होगा। निस्संदेह, केंद्र सरकार की इस रचनात्मक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

आखिर बम-बंदूकों के साथ होने वाले चुनावों से क्या हो रहा हासिल?

बंगाल में पंचायत चुनाव के नतीजे आने के बाद भी हिंसा जारी रहने पर हैरानी नहीं, क्योंकि ऐसा होना इस राज्य का राजनीतिक चरित्र बन गया है। ध्यान रहे कि बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव के बाद भी भीषण हिंसा हुई थी। तब भी दर्जनों लोग मारे गए थे, लेकिन ममता सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा था। इस बार भी ऐसी ही स्थिति है। बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन शुरू होते ही हिंसा और हत्याओं का सिलसिला कायम हो गया था, जो मतदान के दिन तक जारी रहा। आम तौर पर मतदान खत्म होते ही हिंसा का दौर समाप्त हो जाता है, लेकिन बंगाल अपवाद है। वहां नतीजे आने के बाद भी हिंसक गतिविधियां जारी रहती हैं और उनमें लोग मारे भी जाते हैं। चुनाव बाद हिंसा में अभी तक चार लोग मारे जा चुके हैं। इसकी भरी–पूरी आशंका है कि हिंसा और हत्या का यह दौर थमने वाला नहीं है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा की संस्कृति इतना विकृत रूप ले चुकी है कि विरोधी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर ही हमले नहीं होते, उन मतदाताओं को भी निशाना बनाया जाता है, जिन पर यह संदेह होता है कि उन्होंने किसी विपक्षी दल को वोट दिया है। बंगाल में ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि न तो सत्तारूढ़ दल चुनावी हिंसा रोकने की कोई इच्छाशक्ति दिखाता है और न ही पुलिस। बंगाल पुलिस चुनावी हिंसा के समक्ष मूकदर्शक बनना ही पसंद करती है। बंगाल में हर चुनाव हिंसा और भय के साये में होते हैं। चुनावों के दौरान विरोधी दलों के प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को डराने–धमकाने के लिए जमकर बम–बंदूकों का इस्तेमाल होता है। ऐसे माहौल में होने वाले चुनाव लोकतंत्र को निरर्थक ही साबित करते हैं। चुनावों की पहली शर्त है कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष होने के साथ ऐसे वातावरण में हों, जिसमें न तो हिंसा की आशंका हो और न ही इसकी कि नतीजों के बाद जीतने या हारने वाले बदला लेने पर उतारू हो जाएंगे। बंगाल में चुनाव की इस बुनियादी शर्त का कोई मतलब नहीं रह गया है, क्योंकि वहां कोई भी चुनाव हिंसा और भय के साये के बगैर हो ही नहीं पाता। क्या ऐसे माहौल में होने वाले चुनाव लोकतंत्र को कोई शक्ति प्रदान कर सकते हैं? वास्तव में आतंक के साये में होने वाले चुनाव और उनसे हासिल नतीजे लोकतंत्र का केवल उपहास ही नहीं उड़ाते, बल्कि उसे निरर्थक भी साबित करते हैं। पंचायती राज व्यवस्था के तहत पंचायत चुनाव इसलिए कराने शुरू किए गए थे, ताकि प्रशासनिक शक्तियों का विकेंद्रीकरण करने के साथ ग्रामीण विकास को बल दिया जा सके। बंगाल में जैसे घोर अराजक माहौल में पंचायत चुनाव हुए, उसे देखते हुए नीति–नियंताओं को इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि आखिर बम–बंदूकों के साथ होने वाले चुनावों से लोकतंत्र को क्या हासिल हो रहा है?

सदस्यता अभियान हेतु अटेवा की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अटेवा NMOPS के 15 जुलाई से प्रारम्भ हो रहे राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के व्यापक एवं सफल क्रियान्वयन हेतु अटेवा / NMOPS की जौनपुर जिला इकाई की बैठक जिला संयोजक चन्दन सिंह की अध्यक्षता में नव दुर्गा मंदिर, सद्भावना पुल पर आहूत की गई । जिला संयोजक चन्दन सिंह, जिला महामंत्री इन्दु प्रकाश यादव एवं जिला कोषाध्यक्ष टी.एन. यादव ने सभी पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान में जी जान से जुटने का आवाह्न किया। सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने सदस्यता अभियान की सफलता हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त किया। जिला संगठन मंत्री संदीप यादव एवं सुभाष सरोज ने सांगठनिक सक्रियता और मजबूती के लिए आवाह्न किया। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार उपाध्याय, जिला कार्यकारिणी सदस्य जगदीश कुमार यादव, प्रमोद कुमार प्रजापति, ब्लॉक अध्यक्ष मड़ियाहूं अरविंद यादव, ब्लॉक अध्यक्ष सिकरारा डॉ कृपानिधि यादव, ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर डॉ रजी अहमद, कोषाध्यक्ष मड़ियाहूं संजय कन्नौजिया, प्रदीप कुमार उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला सोशल मीडिया प्रभारी नन्द लाल पुष्पक ने किया।

सीडीओ की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

पाली–(हरदोई)। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में तहसील सवायजपुर में आयोजित तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीडीओ सौम्या गुरु रानी ने एसडीएम डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव ,सीओ हरपालपुर विनोद कुमार द्विवेदी व अन्य अधिकारियों के साथ आये हुये फरियादियों के समस्याओं की गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गये। सीडीओ ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी। साथ ही एसडीएम डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव ने भी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों, राजस्व निरीक्षक, व लेखपालों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्णपरक निस्तारण के निर्देश दिये गये। शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान सीडीओ ने जन समस्याओं के निस्तारण करने को संबंधित विभागाध्यक्षों को पहली प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। सीडीओ सौम्या गुरुरानी ने कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व शासन की प्राथमिकता है। समाधान दिवस के मौके पर कुल 40 शिकायतें मिली। जिनमें 19 शिकायतें राजस्व विभाग,05 पुलिस विभाग,05 विकास विभाग व अन्य 11 शिकायतें दूसरे विभाग की रहीं। मौके पर केवल 08 शिकायतों का निस्तारण ही हो पाया। शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध कराए गये की प्रार्थना पत्रों को समयबद्धता के साथ गुणवत्ता परक निस्तारण सुनिश्चित करायें। इस अवसर पर इंस्पेक्टर हरपालपुर प्रमोद कुमार दुबे,थाना पाली उपनिरीक्षक अनिल कुमार, पचदेवरा इंस्पेक्टर विद्या सागर पाल, कानूनगो प्रमोद कुमार पाण्डेय, के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में चली गोली युवक घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमरवार के भदवार कुटी पर निवासी युवक को शुक्रवार की रात्रि पड़ोसी बारामनपुर गांव में विवादित खेत जोतने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष की ओर से तमंचे से लक्ष्य लेकर गोली चला दी गई ।गोली युवक के पैर में लगी और वह छटपटा कर गिर पड़ा किंतु हमलावर को साहस दिखाते हुए दूसरे पक्ष ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बरामनपुर में भदवार निवासी रमेश यादव के घर वालो ने एक खेत का बैनामा लिखवाया ।उसी पर दूसरे पक्ष के अनिल मिश्र दावा करते है ।शुक्रवार की रात्रि अनिल मिश्र के घर वाले ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे ।इसी बीच दूसरे पक्ष के लोग पहुंचकर विरोध करने लगे ।अनिल मिश्र के बेटे कृपाशंकर मिश्र ने तमंचा निकालकर फायर कर दिया ।गोली नितेश यादव के बाए पैर में जा लगी ।नितेश के घर वालो ने हमलावर को दबोच कर कुटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया। घायल नितेश यादव 22 वर्ष का उपचार ट्रामा सेंटर बीएचयू में चल रहा है ।थानाध्यक्ष विजय सिंह पटेल ने बताया कि दोनो पक्षों में जमीनी विवाद है ।हमलावर पर मुकदमा करके जेल में डाल दिया गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर एक एप्लीकेशन ऐप बनाया जाए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रधान संघ अध्यक्ष संयोगिता सिंह चौहान ने बताया कि QCI Quality Council of India द्वारा आयोजित सरपंच संवाद कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ । अपनी ग्राम पंचायत अटारी की उपलब्धियाँ सभी के साथ साझा की एवं कार्यक्रम में आए अन्य प्रधान साथियों को भी सुनने एवं उनसे सीखने का अवसर मिला।

बैठक का मुख्य एजेंडा उत्तर प्रदेश में अभिनव प्रयोग करने वाली पंचायतों को चिन्हित करना, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से अभिनव कार्य करने वाली पंचायतों को नेशनल स्तर पर स्थापित करना, भारत सरकार के साथ संवाद स्थापित करके पंचायती राज व्यवस्था में व्यापक सुधार हेतु कार्य योजना तैयार करना ताकि राष्ट्रीय स्तर पर पंचायतों के संचालन पंचायतों के नीति निर्धारण में एकरूपता लाना। बैठक में निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर एक एप्लीकेशन ऐप बनाया जाए उसमें देश की सभी ढाई लाख पंचायतों को जोड़ा जाए ताकि जो पंचायतें अभिनव प्रयोग कर रही हैं उनका पूरे देश में प्रचार–प्रसार किया जा सके। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की समस्त टीम एवं उत्तर प्रदेश के प्रधान साथियों को धन्यवाद दिया।

लड़की से वीडियो काल पर बात करना पड़ा भारी,दो लाख की ठगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के बारीगाव डीह गांव के एक व्यक्ति को लड़की से वीडियो काल पर बात करना मुश्किल में डाल दिया ।अश्लील वीडियो बनाकर कर ठग ने दो लाख दस हजार रुपये ले लिया। भुक्तभोगी शनिवार को थाने पर शिकायत किया है।

गांव निवासी अमित कुमार शर्मा ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि 13 जुलाई को एक लड़की हमसे बात किया और हमारा अश्लील वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर दिया, उसके बाद दिल्ली से क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर सौरभ नामक व्यक्ति ने गिरफ्तार करने की बात कहकर हमसे चार बार मे दो लाख दस हजार रुपये अपने खाते में डलवा लिया और भी पैसे की मांग कर रहा है न देने पर गिरफ्तार करने की धमकी दिया। व्यक्ति को अपनी गलती का अहसास होने पर बरसठी पुलिस के यहां शिकायत किया है ।पुलिस जांच का भरोसा दिया है।

जमीनी विवाद में चली गोली युवक घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमरवार के भदवार कुटी पर निवासी युवक को शुक्रवार की रात्रि पड़ोसी बारामनपुर गांव में विवादित खेत जोतने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष की ओर से तमंचे से लक्ष्य लेकर गोली चला दी गई ।गोली युवक के पैर में लगी और वह छटपटा कर गिर पड़ा किंतु हमलावर को साहस दिखाते हुए दूसरे पक्ष ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बरामनपुर में भदवार निवासी रमेश यादव के घर वालो ने एक खेत का बैनामा लिखवाया ।उसी पर दूसरे पक्ष के अनिल मिश्र दावा करते है ।शुक्रवार की रात्रि अनिल मिश्र के घर वाले ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे ।इसी बीच दूसरे पक्ष के लोग पहुंचकर विरोध करने लगे ।अनिल मिश्र के बेटे कृपाशंकर मिश्र ने तमंचा निकालकर फायर कर दिया ।गोली नितेश यादव के बाए पैर में जा लगी ।नितेश के घर वालो ने हमलावर को दबोच कर कुटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया। घायल नितेश यादव 22 वर्ष का उपचार ट्रामा सेंटर बीएचयू में चल रहा है ।थानाध्यक्ष विजय सिंह पटेल ने बताया कि दोनो पक्षों में जमीनी विवाद है ।हमलावर पर मुकदमा करके जेल में डाल दिया गया है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हरदोई में विश्व युवा कौशल दिवस कार्यक्रम मनाया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हरदोई मे विश्व युवा कौशल दिवस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति एवं प्रधानाचार्य राजकीय आई०टी०आई० हरदोई रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आई०टी०आई० प्रधानाचार्य द्वारा मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री पीके वर्मा का स्वागत अभिनन्दन तथा अन्य आगन्तुकों को सम्मानित कर किया गया। स्वागत अभिनन्दन कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा राजकीय आई0टी0आई0 हरदोई से प्रशिक्षित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने वाले 20 सेवायोजित अभ्यर्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर, विगत परीक्षा मे सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रशिक्षार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में जनपद में संचालित औद्योगिक इकाई वरूण बेवरेज लिमिटेड सण्डीला को जनपद में सर्वाधिक आई०टी०आई० उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नियोजित किये जाने के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया साथ ही एक आई०टी०आई० उत्तीर्ण छात्रा को स्वरोजगार स्थापित करने तथा स्वरोजगार के माध्यम से कई अन्य आई०टी०आई० उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान किये जाने के लिए ब्राण्ड अम्बेसडर के स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीके वर्मा ने विश्व युवा कौशल दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए भाजपा सरकार द्वारा युवा वर्ग के उत्थान एवं सर्वांगीण विकास हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे संचालित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा कर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के होनहार प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के अतिरिक्त प्रधानाचार्य, राजकीय आई०टी०आई० हरदोई रोहित कुमार श्रीवास्तव, एवं प्रधानाचार्य राजकीय आई०टी०आई० सुल्तानपुर राधेश्याम यादव द्वारा भी प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित कर उनका मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियो द्वारा बनाये गये जाब्स एवं गारमेन्ट्स की प्रदर्शनी भी लगायी गयी, जिसका मुख्य अतिथि द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आलोक पाल द्वारा किया गया, कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु राजकीय आई०टी०आई० के आदिल रिजवी, दिलीप कुमार वर्मा, अतिनेश अग्निहोत्री, प्रताप विक्रम सिंह, रवि शुक्ला, धीरज सिंह एवं इन्दुकान्त मिश्रा आदि ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

केप्री गोल्ड लोन की महानगर शाखा का भव्य उद्घाटन सोशल एक्टिविस्ट अभिषेक मिश्रा ने किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महानगर में केप्री गोल्ड लोन की शाखा का उद्घाटन सोशल एक्टिविस्ट अभिषेक मिश्रा ने किया। लखनऊ महानगर शाखा को मिला कर अब तक लखनऊ में 5 शाखा का उद्घाटन किया गया। यहां पर बेहतर सुविधाओं के साथ गोल्ड लोन उपलब्ध कराया जाएगा। लखनऊ महानगर शाखा के उद्घाटन में जोनल ऑपरेशन मैनेजर हेमचंद पंत , जोनल सेल्स मैनेजर पंकज गुप्ता , रीजनल ऑपरेशन मैनेजर अमरेश श्रीवास्तव, एरिया ऑपरेशन मैनेजर राम मिश्र, एरिया सेल्स मैनेजर प्रशास्य मिश्रा, ब्रांच सेल्स मैनेजर अख्तर अली, ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर विक्रम सिंह, रिचा शुक्ला जय प्रताप शिवांगी त्रिपाठी सहित तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधान संयोगिता सिंह चौहान करेंगी केरल एक्सपोजर विजिट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से पंचायती राज विभाग की तरफ से माल ब्लाक की ग्राम पंचायत अटारी से प्रधान संयोगिता सिंह चौहान केरल एक्सपोजर विजिट करने 16 जुलाई को जाएंगी। 22 जुलाई तक ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर विकास कार्यों को देखेगी। पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों से भी अनेक प्रधान जा रहे हैं।

संडीला कोतवाल की गुंडई का वीडियो वायरल, पैसे मांगने पर रेस्टोरेंट संचालक के जड़ा थप्पड़

हरदोई। संडीला कोतवाल की गुंडई का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें नशे में धुत कोतवाल नित्यानंद सिंह ने रेस्टोरेंट संचालक से मारपीट की है। काउंटर पर पैसे देने के लिए कहने पर नाराज कोतवाल ने संचालक के थप्पड़ जड़ दिया, जोकि अब जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बताया गया कि संडीला कोतवाल नित्यानंद सिंह अपने परिवार के साथ डायमंड हवेली रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे। इस दौरान वह सादी वर्दी और काफी नशे में धुत थे, जिनको रेस्टोरेंट के कर्मचारी ने पीछे ले जाकर बैठा दिया। खाना खाने के बाद रेस्टोरेंट संचालक ने पैसे काउंटर पर देने के लिए कह दिया। जिससे नाराज कोतवाल नित्यानंद सिंह ने संचालक के बड़े भाई नफीस के थप्पड़ जड़ दिया।

इस दौरान वायरल वीडियो में उसके साथ कहासुनी होती हुई दिखाई दे रही है। जिसके बाद संडीला कोतवाल उसके थप्पड़ जड़ देते है फिर भी कुछ बात होती रहती है। इस दौरान कोतवाल पैसे देते है और संचालक पैसे लेकर जाता हुआ दिखाई देता है। फिलहाल इस तरह का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे है।

अवैध रुप से संचालित शिक्षण संस्थानों पर शिक्षा व अग्निशमन विभाग की पैनी नजर

जांच के लिए विकास खण्डों में गठित की टीम - डीआईओएस

अग्निशमन विभाग मानक का शिक्षण संस्थान करे पालन - सीएफओ

अयोध्या ।जिले में दर्जनों संचालित कोचिंग व शिक्षण संस्थान मानक पर खड़ा नहीं उतर रहा है ।जिस पर अंकुश लगाने के लिये शिक्षा विभाग पूरी तरह से मन बना लिया है ।शिक्षा विभाग के अधिकारियों की माने तो बिना अग्निशमन विभाग के द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के कोई भी कोचिंग सेंटर व शिक्षण संस्थाओं को संचालित नहीं करने दिया जाएगा। जिसके चलते अभी तक शिक्षा विभाग में तैनात लिपिक के रहमो–करम से जिले में सौ से अधिक कोचिंग सेंटर का संचालन नियमो की अनदेखी करते हुये चला आ रहा था ।यही दशा जिले में शैक्षणिक संस्थानों का भी है जो शिक्षा व अग्निशमन विभाग के मानक पर खड़े नहीं उतर रहे है ।अगर देखा जाए तो तो शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिना मानक के संचालित कोचिंग सेंटर व शैक्षणिक संस्थानों के साथ साथ बाहर से शहर में इंटर पास छात्रों को इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट के साथ साथ नीट आदि की तैयारी कराने आने वाली लखनऊ की नामी गिरामी कोचिंग सेंटर भी शिक्षा विभाग व अग्निशमन विभाग के मानक पर खड़े नहीं उतर रही है ।जिससे इन कोचिंग सेंटरों व शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन कर रहे सैकड़ों छात्रों व प्रतियोगी छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हुये दिखाई दे रहे हैं ।अगर देखा जाए तो शहर के नाका, रिकाबगंज, सिविल लाइन, देवकाली सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर ये कोचिंग सेंटर देखें जा सकते हैं। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश कुमार आर्य ने बताया कि वास्तव में जिले में अधिकतर कोचिंग सेंटर व शैक्षणिक संस्थान अनाधिकृत रुप से संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग में बिना पंजीकृत कोचिंग सेंटरों व शैक्षणिक संस्थानों पर शीघ्र ही शिकंजा कसा जायेगा। उन्होंने बताया कि जो भी कोचिंग व शैक्षणिक संस्थानों के संचालक विभाग में पंजीकरण कराने के लिये आवेदन पत्र आयेगा तो इसकी जांच के लिए सभी ब्लाकों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है जो जांच कर अपनी रिपोर्ट विभाग को सौंपेंगे। इसके अलावा उन्होंने स्पष्ट रुप से सभी कोचिंग सेंटरों व शैक्षणिक संस्थानों के संचालकों को सचेत किया है अग्निशमन विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र के किसी भी कोचिंग सेंटर व शैक्षणिक संस्थान का पंजीकरण विभाग में नहीं किया जायेगा ।वही मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि अग्निशमन विभाग द्वारा उन्हीं कोचिंग व शैक्षणिक संस्थान को अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा जो सही रुप से मानक पर खड़े उतर रहे हो। उन्होंने कहा कि वे खुद इन कोचिंग सेंटरों व शैक्षणिक संस्थानों पर जाकर निरीक्षण करेंगे ।कुल मिलाकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय व अग्निशमन विभाग द्वारा उठाए गए इस कदम जिले में बिना मानक के संचालित कोचिंग व शैक्षणिक संस्थानों के संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

डेढ़ दर्जन पीसीएस अफसरों का तबादला,कई एसडीएम इधर उधर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डेढ़ दर्जन पीसीएस अफसरों को इधर से उधर कर दिया गया है ।पीसीएस अफसरों में अधिकांश एसडीएम हैं। जिम्मेदारियों को बदल दिया गया है। अधिकांश का जिला बदल गया है। नियुक्ति विभाग की ओर से आदेश दे दिए गए हैं। पीसीएस अधिकारियों को सीधा निर्देश है कि उनको तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्य क्षेत्र में पदभार ग्रहण करना होगा। तबादलों के इस सत्र में अनेक एसडीएम को इधर से उधर कर दिया गया है। पीसीएस अधिकारियों को मिली नई तैनाती है ।पीसीएस रमेश यादव एसडीएम औरैया से एसडीएम बस्ती बनाए गए। लवगीत कौर एसडीएम औरैया से एसडीएम हाथरस बनाई गईं।

एस आर में मनाया गया वर्ल्ड स्किल डे ,छात्रों ने निकाली रैली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आज 15.7.2023 को एसआरएमबीएस,लखनऊ के छात्रों ने वर्ल्ड यूथ स्किल डे अपने अध्यापकों ट्रेनर्स और अपने सहपाठियों के साथ अपने पूरे कॉलेज में भ्रमण कर मनाया। जिसमें सभी छात्रों ने स्किल बढ़ाने हेतु कई तरह के स्लोगन स्कोर अपने हाथों में तख्तियों पर लिखकर भ्रमण किया। यह दिवस विश्व में छात्रों को पढ़ाई के अलावा रोजगार परक शिक्षा और जोर दिए जाने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर छात्रों ने नाट्य रूपांतरण कर स्किल के बढ़ाए जाने पर अभिमंचन किया। जिसमें उनके अध्यापक, ट्रेनर्स सभी ने अपनी अपनी बातों से सभी छात्रों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करी ।इस उपलक्ष पर संस्थान के वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान ने छात्रों को स्किल डेवलप करने पर अत्यधिक जोर दिए जाने की भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से छात्रों के साथ चर्चा की।

खालसा इंटर कॉलेज द्वारा कॉलेज प्रबंधक के 83 वें जन्म दिवस पर 83 पौधे रोपित कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अपने जन्म दिन पर राजेन्द्र सिंह बग्गा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने एवम कन्या भ्रूण हत्या रोकने का दिया संदेश

मै उनमें से नही जो हवाओं में महल बनाते हैं, मै नामुमकिन को मुमकिन बनाने का हुनर रखता हूं : आर. एस.बग्गा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गुरुद्वारा नाका हिंडोला स्थित खालसा इंटर कॉलेज द्वारा कॉलेज प्रबंधक स. राजेंद्र सिंह बग्गा के 83 वें जन्म दिन पर 83 पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कॉलेज के छात्र – छात्राओं ने प्रबंधक महोदय को गिफ्ट रूप में पौधे भेंट कर उनके जन्म दिन को यादगार बना दिया। छात्र – छात्राओं द्वारा इस प्रकार के स्पेशल गिफ्ट को प्राप्त कर कॉलेज प्रबंधक एवम लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. राजेन्द्र सिंह बग्गा काफी खुश हुए। कॉलेज प्रबंधक के जन्म दिन पर यह आयोजन प्रधानाचार्य स.वीरेन्द्र सिंह एवम उप प्रधानाचार्य नीरज कुमार श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य एवम उप प्रधानाचार्य ने पुष्प मालाओं से प्रबंधक महोदय का स्वागत किया।

अपने जन्म दिन पर उपहार के रूप में छात्र – छात्राओं से 83 पौधो पाकर खुश हुए कॉलेज प्रबंधक स. राजेन्द्र सिंह बग्गा ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने, लगाए गए पौधों की देखभाल करने एवम गिरते हुए लिंगानुपात को रोकने के लिए कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संदेश दिया।

श्री बग्गा जी ने कहा कि प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है लेकिन हमने उसका दोहन करने के अलावा और कुछ नही दिया। पेड़ हमें छाया, भोजन एवम ऑक्सीजन देते हैं एवम सूख कर भी ईंधन देते हैं एवम घर को सजाने के काम आते हैं लेकिन फिर भी हम स्वार्थवश अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जिस तीव्र गति से हरे भरे वृक्षों को काट रहे हैं उस अनुपात में हम वृक्षारोपण नही करते जो निकट भविष्य के लिए चिंता का विषय हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए बृहद स्तर पर पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण कराना केवल प्रदेश सरकार की ही जिम्मेदारी नही है बल्कि पर्यावरण को बचाने के लिए पौधारोपण करना हम सबका भी दायित्व है।

बग्गा जी ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी द्वारा रचित जपुजी साहिब में वर्णित श्लोक ष पवन गुरु पानी पिता माता धरत महत्त ष के माध्यम से पवन को गुरु, पानी को पिता एवम धरती को माता की संज्ञा देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है।

श्री बग्गा जी ने काव्य रूप में वृक्षों की उपयोगिता को कुछ इस अंदाज में कहा ष 'पेड़ की छाव है जमाने के काम आयेगी, सूख जाने के बाद आपका घर सजाने के काम आयेगी' ।ष इसके पश्चात उन्होंने दृढ़ इच्छा शक्ति से पूर्ण अपने जीवन के उद्देश्य को शायराना अंदाज में बोलते हुए कहा 'मै रास्ते पे नही मंजिल पर नजर रखता हूं , मै बच्चों के साथ – साथ स्टाफ पर भी नजर रखता हूं, मै उनमें से नही जो हवाओं में महल बनाते हैं, मै नामुमकिन को मुमकिन बनाने का हुनर रखता हूं। ष'

श्री बग्गा जी ने बताया कि उन्होंने 2019 में अपने वैवाहिक जीवन की गोल्डन जुबली मनाते हुए आलमबाग क्षेत्र के पार्क में 50 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर इस दिन को यादगार बनाया था। श्री बग्गा जी ने शिक्षकों एवम छात्रों से उनके जन्म दिन पर भेंट किए गए 83 पौधों को लखनऊ के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाकर इनकी देखभाल भी करने को कहा।

आपको बता दे कि अपने व्यक्तित्व, कृतित्व से धार्मिक एवम सामाजिक क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले सभी के प्रेरणास्रोत सेवा एवम सद्भाव की प्रतिमूर्ति स. राजेन्द्र सिंह बग्गा द्वारा अपने द्वारा किए गए आयोजनों में पर्यावरण संरक्षण एवं बेसहारा लोगों की सेवा करने के प्रति जागरूक किया जाता है।

कॉलेज के प्रधानाचार्य स. वीरेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कॉलेज प्रबंधक एवम लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. राजेन्द्र सिंह बग्गा को जन्म दिन की बधाई एवम शुभकामनाएं दी एवम कॉलेज की प्रगति में उनके अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कॉलेज द्वारा प्रबंधक महोदय के जन्म दिन पर लखनऊ के विभिन्न स्थानों पर 83 पौधे रोपित किए जाने पर शिक्षक स्टाफ एवम छात्र – छात्राओं की सराहना की। इससे पूर्व कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक रामलाल जी, वीके श्रीवास्तव, जी.पी. तिवारी, आलोक कुमार मिश्र एवं सतवीर सिंह ने अपने विचार व्यक्त कर कॉलेज प्रबंधक को जन्म दिन की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक वीके श्रीवास्तव ने किया।

सावन के महीने में सत्यम, शिवम, सुन्दरम की अवधारणा को चरितार्थ करने के लिए ही महा सफाई अभियान चलाया जा रहा है : आर आर अंबेश

ई.ओ. आर आर अंबेश के नेतृत्व में नगर सफाई महाभियान का हुआ शुभारम्भ

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) नगर पालिका परिषद शाहाबाद के ई.ओ. आर आर अंबेश के नेतृत्व में नगर सफाई महाभियान का शुभारम्भ किया गया।

उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में नगर की साफ–सफाई को बेहतर करना, सभी पूजा स्थलों, सार्वजनिक स्थलों पर पानी की सफाई, शौचालय एवं गंदे स्थानों को स्वच्छ सुथरा कर एवं नगरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के आव्हान पर नगर में संचालित किये जा रहे नगर स्वच्छता महाभियान के अन्तर्गत माता के तालाब और मौलागंज क्षेत्र की ओर साफ–सफाई अभियान चलाया गया।

उन्होंने मौके पर नालियों की साफ–सफाई कराई। साथ ही चूने का छिड़काव, कीटनाशक दवा छिड़काव एवं फॉगिग कराई। अधिशाषी अधिकारी ने कहा कि नगर को स्वच्छ बनाने के लिए नगर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।वहीं बरसात के जलभराव से होने वाली बीमारियों से निजात दिलाने के लिए फॉगिंग एवं कीटनाशक दवा के छिड़काव के साथ चूना आदि का छिड़काव किया जा रहा है। वहीं नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए वृक्षारोपण भी किया जायेगा।

अधिशाषी अधिकारी ने नगरवासियों से अपील की है कि इस स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक भागीदार बनें। अपने नगर एवं आस–पास के क्षेत्र को स्वच्छ–सुथरा बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

बताया कि सफाई का यह महाअभियान बरसात में गंदगी से राहत देने व नगरों की साफ–सफाई व नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए 14 से 21 जुलाई, 2023 तक चलाया जायेगा। इस अभियान में चेयरमैन नसरीन बानो, सांसद, विधायक एवं अन्य जन–प्रतिनिधिगण भी अपना सार्थक सहयोग प्रदान करेंगे।

इस दौरान पार्कों का सुन्दरीकरण, नगरों के नाले–नालियों की साफ–सफाई, जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए जल निकासी की बेहतर व्यवस्था बनाने, नियमित कूड़ा उठान तथा नाले–नालियों के निर्माण में गड़बड़ी, स्ट्रीट लाइट की खराबी में सुधार पर ध्यान दिया जायेगा।सावन के महीने में सत्यम, शिवम, सुन्दरम की अवधारणा को चरितार्थ करने के लिए ही यह अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी जन–प्रतिनिधियों के साथ आमजन भी अपना सहयोग प्रदान करें, इसके लिए उन्हें जागरूक किया जायेगा और सफाई व स्वच्छता के लिए प्रेरित भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिना आमजन की सहभागिता के सफाई जैसे कार्य को पूर्ण नहीं किया जा सकता है। इसके लिए एक–दूसरे का सहयोग करें, जिससे कि स्वच्छता सर्वेक्षण में शाहाबाद नगर की स्थिति में बेहतर सुधार हो।

सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि प्रतिदिन एक विशेष क्षेत्र वी स्थान पर सफाई का महा अभियान चलेगा।स्वच्छता टीमों का गठन कर सुबह 05 बजे से 01 बजे तक और अपराह्न 01 बजे से रात 09 बजे सफाई अभियान चलाया जा रहा है।मंदिरों और मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई के काम किए जा रहे हैं।इस अभियान के दौरान लेखाकार असद खां,टैक्स इंस्पेक्टर अनस खां तथा सफाई नायक आदि भी मौजूद रहे।

कार्यदायी संस्था ने जलभराव की समस्या के कारण को किया चिन्हित, इमरजेंसी टीम का गठन कर हो रहा समस्या का निराकरण

नालियों का सीवर से जुड़े होना पाई जलभराव की मुख्य समस्या

कंपनी के पास नहीं है संसाधनों की कमी, जोन 5 और जोन 8 में भी अपातकालीन स्थिति में करती है काम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊरू शहर के ज्यादातर इलाकों में सीवर चोक की समस्या का मुख्य कारण हैं नालियों का सीवर से जुड़ा होनाद्य शहर में नगर निगम एवं नगर विकास के अंतर्गत 'वन सिटी वन ऑपरेटर' स्कीम के तहत कार्य देख रही सुएज इंडिया ने इस समस्या को चिन्हित करते हुए अपनी एक इमरजेंसी रिस्पांस टीम का गठन किया है। कंपनी का मुख्य कार्य एसटीपी एवं सीवेज पम्पिंग स्टेशन का रख रखाव करना एवं शहर के सीवर की सफाई एवं क्षतिग्रस्त मैनहोल के ढक्कन बदलना एवं चौम्बर एवं सीवर लाइन रिपेयर करना है।

सुएज के पास हैंड ग्रैबर, सुपर सकर मशीनें, जेटिंग मशीनें, इमरजेंसी व्हीकिल, ट्रैक्टर सक्शन मशीनें, पंप्स, रोडिंग मशीन, मिनी जेटिंग मशीन, ट्रेक्टर जेटिंग, मैकेनिकल ग्रैबर एवं रोबोट है जिससे शहर के छह जोन की सीवर की सफाई होती है ।

सुएज इंडिया के ऑपरेशंस मैनेजर श्री अश्वनी डोगरा ने बताया, ष्जलभराव की मुख्य समस्या तब होती है जब नालियां सीवर प्रणाली से जुड़ी होती हैं। अधिकतर मामलों में अवरुद्ध सीवर, अधूरे निर्माण और नियमित सफाई की कमी के कारण होते यह समस्याएं बनी हुई हैं। इस समस्या से निपटने के लिए स्वेज इंडिया ने एक टीम बनाई है जो आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकती है। सीवर लाइनों को प्रभावी ढंग से साफ करने के लिए उनके पास विभिन्न उपकरण हैं। सुएज इंडिया लखनऊ के नागरिकों को तुरंत समाधान उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है।ष

मॉनसून से पहले सुएज ने 72 हॉटस्पॉट को चिन्हित किया था जहाँ पर ज्यादातर जलभराव की समस्या रहती थीद्य उन चिन्हित स्थानों को सुएज ने मशीनो के माध्यम से साफ करवाया ताकि वहां पर किसी भी प्रकार की समस्या न होद्य इन सबके अलावा सुएज ने मानसून के लिए एक इमरजेंसी टीम को गठित किया है जिसका कार्य आपातकालीन समस्याओ का त्वरित निस्तारण करना हैद्य सुएज इंडिया की टीम इस समय दिन रात इस कार्य में लगी हुई है ।

बीएन वर्मा रोड पर सीवर लाइन क्षतिग्रस्त थी जिसकी मरम्मत का कार्य सुएज इंडिया की टीम ने कर दिया हैद्य इसके अलावा पार्षदों एवं जनता की शिकायतों का भी समय पर निवारण किया जाता है। भारी बारिश के चलते, जहाँ पर भी सीवर उफननें की समस्या होती है, वहाँ सुएज की इमरजेंसी टीम द्वारा पाया गया कि उन चिन्हित क्षेत्रों में नालियों का निर्माण नहीं हुआ है और यदि हुआ है तो नालियों की सफाई न होने के कारण सीवर से जुड़े होने से जलभराव की समस्या बढ़ रही है । ऐसे में सुएज की इमरजेंसी टीम उन जगहों पर पम्प लगाकर पानी हटवाती है और फिर सीवर से कूड़ा निकलवाती है ।

अमीनाबाद, ऐशबाग, अलीगंज, कंघी वाली गली, यहियागंज एवं सभी इलाके जहां सक्रिय गलियाँ हैं वहाँ सीवर नाली से जुड़े होने के कारण बारिश का पानी उफनाने से जलभराव होने लगता है । सुएज की इमरजेंसी टीम ने पाया की सभी जलभराव वाले इलाकधें में लोगों ने नालियों के ऊपर अतिक्रमण करके घरों के रैम्प का निर्माण किया है, अमीनाबाद में लोगों ने नालियों में बोतल, पत्तल, प्लास्टिक फेंक कर नालियों को गंदा करके रखा है जिसकी वजह से नालियों में सिल्ट जमा है। सुएज ने रेडियो, पोस्टर के माध्यम से समय समय पर जानता को नाले नालियों में कूड़ा न फेंकने के लिए जागरूक किया है ।

केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सी.पी.ऐच.ई.ई.ओ) के मैन्युअल के हिसाब से बरसात के पानी की निकासी का माध्यम सीवर नहीं नालियाँ हैं जिनका शहर में निर्माण ठीक से नहीं है खघस करके उन इलाकधें में जहां जमीनी स्तर निचले होने के कारण कई समस्यायें और हैं, बारिश के समय पर खध्राब ड्रेनेज के कारण जल निकासी का कोई माध्यम नहीं रहता।

60–70 वर्ष पुरानी छोटी लाइनों में बड़ी प्रेशर मशीनों को लगाने से सीवर के क्षतिग्रस्त होने की समस्या भी उत्पन्न होती है अतः इस समस्या का निवारण एक ही निकलता है कि सीवर को नालियों से अलग कर दिया जाए। नालियों को सीवर से जोड़कर बारिश के पानी की निकासी बंद करना होगा नहीं तो बारिश में सीवर उफननें की समस्या बनी रहेगी।

अपर जिला जज द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया

हरदोई। अपर जिला जज ध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुधाकर दुबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीशध् अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में शनिवार को जिला कारागार हरदोई का निरीक्षण किया गया। अपर जिला जज द्वारा बैरक में बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकरी प्राप्त की गई तथा उनको बताया कि ऐसे बंदी जिनकी जमानत हो गई है जमानतदार दाखिल नहीं कर पा रहे हैं वह बंदी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र दे सकते है उनकी रिहाई हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आवश्यक कार्यवाही करेगा ।अपर जिला जज द्वारा जेल प्रशासन को निर्देशित किया गया कि बंदियों की समस्यायों के समाधान के लिए लीगल एड डिफेन्स काउंसिल से निःशुल्क विधिक सहायता के लिए प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रेषित करें तथा जिला कारागार प्रशासन द्वारा बंदियो को निःशुल्क 80 चश्मो का वितरण किया गया ।इस अवसर जेलर संजय कुमार सिंह, डिप्टी जेलर ओमकार पांडेय, संदीप, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

बोल बम के नारे से गूंज उठा श्री गौरीशंकर धाम

शिवरात्रि पर करीब एक लाख से कांवरियों ने चढ़ाया जल

श्री गौरी शंकर मंदिर का द्वार खुलते ही पुलिस अधीक्षक जौनपुर में किया जलाभिषेक

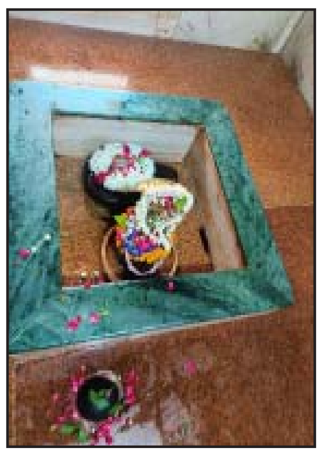

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज। शुक्रवार को शिवरात्रि का पर्व धूम धाम से मनाया गया। श्री गौरीशंकर धाम सुजानगंज में गुरुवार से ही कांवरियों की भारी भीड़ रही। रात में बारह बजे से ही कांवरियों ने जल चढ़ाना शुरू कर दिया। इसके पूर्व मंदिर का पट द्वार खुलते पुलिस अधीक्षक जौनपुर अजय पाल शर्मा ने सबसे पहले मंदिर में जलाभिषेक कर श्री गौरी शंकर बाबा से आशीर्वाद लिया. कांवरियों की लंबी कतारें देखकर प्रशासन के हाथ पांव फूलने लगे। सी सी टी वी कैमरे से पूरे मंदिर परिसर की निगरानी की जा रही थी। करीब एक लाख से अधिक कांवरियों ने गौरीशंकर मंदिर पर जल चढ़ाया। कांवरियों के अलावा अन्य भक्तो ने भी दर्शन किया। लेकिन कंवरियों के सामने उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुरक्षा की दृष्टि से पी ए सी के जवान अलावा एल आई यू ऑफिसर, सुजानगंज, महराजगंज, सिंगरामऊ,बदलापुर सहित कई थानों से पुलिस बल मौजूद रही। वहीं पर थानाध्यक्ष सुजानगंज सैयद हुसैन मुन्तजर ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ इस त्योहार को सफल बनाया गया और पूरी रात मंदिर परिसर से लेकर उमरपुर नहर तक पैदल यात्रा कर कावरियों की हर समस्या जानते हुए प्रशासन चुस्त दुरुस्त रही और पुलिस के साथ साथ सभी विभागों के अधिकारियों ने सहयोग किया. वहीं मंदिर सचिव सुधीर तिवारी अपने दर्जनों कार्यकर्ताओ के साथ बोल बम के ड्रेस में लगे रहे और कहीं से कोई भी भक्त को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो जिसके लिए पूरी रात भ्रमण करते रहे ।वहीं पर सफाई व्यवस्था को लेकर सुजानगंज विकास खंड के लगभग 40 से अधिक सफाई कर्मचारियों ने सफाई व्यवस्था पर विशेष काम किया कहीं भी कोई शिकायत का मौका नहीं देखने को मिला।वहीं पर सफाई कर्मचारियों के देखरेख के लिए सहायक विकास अधिकारी (पंचायत)इंद्रभूषण दूबे ब्लॉक क्वाडिनेटर कुलदीप तिवारी, ग्राम विकास अधिकारी सत्यप्रकाश, ग्रामपंचायत अधिकारी सौरभ सिंह,ग्राम विकास अधिकारी रविशंकर यादव, ग्रामपंचायत अधिकारी अमित गुप्ता, ग्रामपंचायत अधिकारी पुरुषार्थ यादव की तैनाती की गई थी. वहीं पर शिवरात्रि के भव्य मेले का निरीक्षण करने पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह ने मंदिर परिसर के चारों तरफ घूम कर सुरक्षा की दृष्टि से जायजा लिया और वहीं पर उपस्थित कांवरियों को बुलाकर विशेष जानकारी प्राप्त किया और कांवरियों से पूछा कि आप लोगों को किसी प्रकार से कोई समस्या तो नहीं हुई कांवरियों ने उत्तर दिया कि बड़े ही कुशलतापूर्वक सभी ने दर्शन प्राप्त किया और रास्ते में भी उचित व्यवस्था की गई थी जिसे किसी भी काम रियों को कोई भी किसी प्रकार से समस्या का सामना नहीं करना पड़ा उसके बाद दोपहर 12:00 बजे मंदिर का पट द्वार बंद हो गया साफ सफाई के उपरांत मंदिर का द्वार खुलते ही जलाभिषेक भी किया.

5175 रसोइयों को सितंबर माह के पहले सप्ताह में मानदेय मिलने की उम्मीद – एमडीएम प्रभारी

अयोध्या। शीघ्र ही जिले के सभी विकास खण्डों में तैनात 5175 रसोइया के खाते में अप्रैल व जुलाई का मानदेय सितंबर माह के पहले सप्ताह तक शासन स्तर से प्राप्त होने भेजे जाने की उम्मीद है।यह जानकारी एमडीएम प्रभारी अंकुर सिंह ने दी।उन्होंने बताया कि जिले में नगर क्षेत्र के अलावा मसौधा, अमानीगंज, बीकापुर,मवई, मया बाजार, तारुन, मिल्कीपुर, पूरा बाजार, रुदौली, सोहावल व हरिंगटनगंज विकास में 5175 रसोइयों की तैनाती है।जिनका शासन 2000 – 2000 रुपये प्रति माह के रुप में मानदेय संबंधित रसोइयों के खाते में भेज दिया जाता है।उन्होंने बताया कि इससे पहले इन रसोइयों के खाते में मार्च तक का मानदेय भेज दिया गया है।जबकि मई व जून माह का मानदेय इन रसोइयों के खाते में स्कूल बंद होने के चलते शासन द्वारा नहीं भेजा जाता है।एमडीएम प्रभारी अंकुर सिंह ने बताया कि इन रसोइयों के खाते में अप्रैल व जुलाई का मानदेय शासन स्तर से प्राप्त होने पर अगस्त के पहले सप्ताह तक भेजे जाने की संभावना है।

मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने पौधरोपण को लेकर की विभागीय बैठक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने निर्देश दिये कि पौधरोपण अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी पौधरोपण के लक्ष्य को पूरा करने हेतु पौधे लगाये। उन्होंने निर्देश दिया कि पौधरोपण अभियान में योजना के लाभार्थियों को भी जोड़ा जाय।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।